an>

Title: Need to strengthen emergency medical transportation system in the country.

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक (हरिद्वार): आदरणीय उपाध्यक्ष जी, किसी व्यक्ति की, परिवार की और राÂट्र की अमूल्य निधि होती है उसका स्वास्थ्य। स्वास्थ्य नहीं है तो कुछ भी नहीं है। इसलिए स्वास्थ्य पर विशेÂा ध्यान देने के आग्रह के लिए मैं यहां पर खड़ा हुं, क्योंकि पूरे देश के अन्दर आपातकालीन स्वास्थ्य की बहुत ही सोचनीय स्थिति है।

श्रीमन्, हम अपनी स्वास्थ्य सेवाओं पर अपने सकल घरेलू उत्पाद का केवल एक प्रतिशत व्यय करते हैं, जबकि चीन तीन प्रतिशत और अमेरिका आठ प्रतिशत व्यय करता है। अभी भी उस दिशा में हमारा ध्यान नहीं है, जहां लाखों लोग चिकित्सा के अभाव में दम तोड़ रहे हैं। वहीं अगर सड़क दुर्घटना की बात की जाए, तो एक घंटे में सोलह से अधिक लोग दम तोड़ रहे हैं। इस वÂाऩ देखा जाए तो डेढ़ लाख लोग केवल और केवल सड़क दुर्घटना में दम तोड़ रहे हैं।

श्रीमन्, ऐसी स्थिति में अगर एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं होती है तो एक घंटे के आधार पर मुश्किल से दस और बीस प्रतिशत घटनाओं में एम्बुलेंस नहीं मिलती है। जिसमें मिलती भी हैं, उनमें से 80 प्रतिशत से 90 प्रतिशत में तात्कालिक प्राथमिक चिकित्सा नहीं मिलती है। उपकरणों का अभाव है और जो प्रशिक्षित स्टाफ है, उसका भी अभाव है। इसलिए बहुत सारे लोग इसके अभाव में दम तोड़ देते हैं।

श्रीमन्, स्वास्थ्य मंत्री रहते हुए हमने उत्तराखण्ड में 108 नम्बर की आपातकालीन सेवा शुरू की थी, जो वहां की प्राणदायिनी बन गयी थी, जिसने वहां लाखों लोगों की जान को बचाया है। यहां तक कि चलती हुई एम्बुलेंस में प्रसव के समय भी हजारों बच्चों ने जन्म लिया है। ऐसी मां, बहनें और बच्चों की उस 108 सर्विस ने रक्षा की है। वर्तमान में वहां पर 108 नम्बर की सेवा दम तोड़ रही है।

महोदय, ऐसी आपातकालीन सेवा, जो जीवन की रेखा बन जाए, ऐसे उत्तराखण्ड और उसके सीमावर्ती राज्यों में ब्लॉक स्तर पर इसे अनिवार्य रूप में किया जाए और राÂट्रीय स्तर पर, उच्च स्तर पर आपातकालीन सेवाओं को और सशक्त किया जाए। यह मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं।

HON. DEPUTY-SPEAKER: Shri Bhairon Prasad Mishra and Kunwar Pushpendra Singh Chandel are permitted to associate with the issue raised by Dr. Ramesh Pokhriyal Nishank.